

>Title: Need to ensure utilization of funds under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, यहां श्री रामजी लाल सुमन और श्री पासवान हरिजन अत्याचार की बात उठा रहे हैं।^{â€}(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : हरिजन नहीं दलित की बात उठा रहे हैं।^{â€}(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : ठीक है। इन लोगों के अत्याचार से हमारी जुबान नहीं खुल रही है। इनसे ज्यादा अत्याचार कौन कर रहा है।^{â€}(व्यवधान) सदन में सबसे ज्यादा अत्याचार यही दो आदमी कर रहे हैं। हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि समय-समय पर लोक सभा से भी राज्यों को निर्देश जाते रहते हैं कि जब भी कोई बैठक महत्वपूर्ण हो तो जिस समय सदन चल रहा हो, उस समय राज्यों या जिलों में बैठक नहीं होगी। ग्रामीण विकास विभाग से प्रधान मंत्री सड़क योजना पूरे देश में चलाई जा रही है, गांवों का उससे काफी विकास हो रहा है और सड़क का अच्छा निर्माण भी हो रहा है। लेकिन हमारे प्रान्त बिहार में जिला परिषद की बैठक उसी समय की जाती है जब सदन का सत्र चलता है। आपने यहां से जो गाइडलाइन दी है, उसमें सरकार ने यह कहा है कि सांसदों की अनुशंसा और स्वीकृति लेनी होगी। लेकिन वहां से जो सूची आती है, सांसदों को उसकी जानकारी तक नहीं होती। प्रधान मंत्री सड़क योजना एक-एक प्रखंड, जिले में 10-15 किलोमीटर तक और उसी जिले के दूसरे प्रखंड में एक किलोमीटर में उसका नाम तक नहीं रहता। उसी तरह हमारे यहां छपरा और सीवान जिले की सूची आई हुई है। जिस समय श्री शान्ता कुमार मंत्री थे, उस समय उन्होंने उनकी निगरानी के लिए एक कमेटी बनाई थी। बिहार सरकार ने उसको मान्यता नहीं दी, बैठक नहीं हो रही है। हम आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहते हैं, क्योंकि लोक सभा में सरकार की घोणा थी, सांसदों को जो अधिकार दिए गए हैं, राज्य सरकार उनको उन अधिकारों से वंचित कर रही है। आप इस सदन के संरक्षक हैं, हमारे अधिकार के संरक्षक हैं। हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि इस तरह की सूची जिन राज्यों या जिलों से आती है, उनको अस्वीकृत किया जाता है और साथ ही जिन जिलों से इस तरह का गलत प्रस्ताव आता है, केन्द्र सरकार के जो रुपये उन जिलों में विकास के लिए जाते हैं, जब तक उसकी समीक्षा नहीं कर ली जाए, तब तक उन जिलों को रुपया देने से वंचित रखा जाए।^{â€}(व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : अध्यक्ष महोदय, सरकार इस बारे में जवाब दे।^{â€}(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बीच में क्यों बोल रहे हैं।

^{â€}(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आग्रह करना चाहते हैं कि सरकार से एक निर्देश दे दिया जाए कि जब तक सांसदों की अनुशंसा नहीं हो, तब तक प्रधान मंत्री सड़क योजना को स्वीकृत नहीं किया जाए। यही सरकार की गाइडलाइन भी है।^{â€}(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सरकार को सूचना देनी चाहिए।^{â€}(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सरकार यहां सुन रही है और मंत्री जी तक बात पहुंच जाएगी।

^{â€}(व्यवधान)

वस्त्र मंत्री (श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, उसकी सूचना संबंधित मंत्री तक पहुंचा दी जाएगी।^{â€}(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, सरकार तक बात पहुंचा दी जाएगी लेकिन आप आसन से बोल दीजिए।^{â€}(व्यवधान) यह बहुत ही गंभीर विषय है।^{â€}(व्यवधान) आसन से निर्देश होना चाहिए।^{â€}(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह बहुत ही गंभीर मामला है। सरकार बहुत गंभीरता पूर्वक इस विषय पर ध्यान दे।

^{â€}(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri A.P. Jithender Reddy.

...(Interruptions)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : अध्यक्ष जी, जो विषय इन्होंने यहां उठाया है, सरकार इसे गंभीरता से लेगी और मैं संबंधित मंत्री तक इनकी बात पहुंचा दूंगा।^{â€}(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, अभी सुनिए।